

王士均·主编

# 常用典故 歇后语

*Changyong Diangu Xiehouyu*



上海社会科学院出版社

C H A N G Y O N G   D I A N G U   X I E H O U Y U

# 常用典故 歇后语

上海社会科学院出版社

## 图书在版编目(CIP)数据

常用典故歇后语/王士均等主编. —上海: 上海社会科学院出版社, 2009

ISBN 978 - 7 - 80745 - 401 - 4

I. 常… II. ①王…②陈… III. ①汉语—典故—汇编  
②汉语—歇后语—汇编 IV. H136.3

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2009)第 005632 号

## 常用典故歇后语

---

主 编: 王士均

副 主 编: 陈 靛 王 弢 陆怡然

责任编辑: 杨 国

封面设计: 闵 敏

出版发行: 上海社会科学院出版社

上海淮海中路 622 弄 7 号 电话 63875741 邮编 200020

<http://www.sassp.com> E-mail: [sassp@sass.org.cn](mailto:sassp@sass.org.cn)

经 销: 新华书店

印 刷: 上海敬民实业有限公司长阳印刷厂

开 本: 890×1240 毫米 1/32 开

印 张: 16

插 页: 2

字 数: 610 千字

版 次: 2009 年 3 月第 1 版 2009 年 3 月第 1 次印刷

---

ISBN 978 - 7 - 80745 - 401 - 4/H · 004

定价: 26.00 元

---

版权所有 翻印必究

## 前言

歇后语是人民群众在生活实践中创造的一种特殊语言形式，具有鲜明的民族特色，浓郁的生活气息，幽默风趣，耐人寻味，为广大人民群众所喜闻乐见。

20 世纪 80 年代初，我和孙治平同志编辑了《歇后语五千条》、《歇后语四千条》两书，出版问世后，经过三十多年的资料积累，发现歇后语中有许多借用历史人物、神话人物和民间传说中的人和事，启发了我编一部故事类歇后语的设想。于是我就翻阅许多资料，制作卡片，经过数年的努力，与三位副主编从数万条歇后语中精选出一千七百多条，其中有借引历史人物、人物传说、神话人物、寓言和古典文学作品中的的人和事的歇后语，逐条加上释义和注释。因为这些歇后语大部分具有典故性，如“七擒孟获——心服口服”、“三顾茅庐——求贤”、“王羲之的字帖——别具一格”、“开封府的包公——铁面无私”、“长坂坡里的赵子龙——孤军奋战”、“勾践给夫差养马——卧薪尝胆”、“东郭先生救狼——心慈手软”、“司马遇文君——一见钟情”、“吴王不听子胥劝——悔之无及”、“苏武被俘十九年——坚贞不屈”、“杜甫的为人——甘贫乐道”、“孟尝君的门客——鸡鸣狗盗”、“寇准摆宴——不忘母训”、“萧何月下追韩信——礼贤下士”、“陶渊明辞官——不为五斗米折腰”、“夏禹治水——三顾家门而不入”、“晏子使楚——不辱使命”、“诸葛亮的一生——开诚布公”、“廉颇拜蔺相如——负荆请罪”、“楚汉相约攻咸阳——先入为主”、“秦始皇修阿房宫——大兴土木”、“霸王别姬——穷途末路”等等，故我将本书定名为《常用典故歇后语》。

本书的排列以歇后语前半句首字笔画笔顺为序。每条歇后语前后两部分均用破折号“——”隔开。每条歇后语分含意、注释两部分，含意只用文字表达，注释首次出现的用方括号〔 〕表示，后出现的从略，写上“见‘××××’条(第××页)”。

对历史人物，介绍生卒年和简历，有出处的写明出自何书。例如：“樊哙张良劝刘邦——忠言逆耳”，出处是《史记·留侯世家》；“魏征进谏唐太宗——兼听则明”，出处是《资治通鉴》。

注释大部分是注前半句的，但也有极少数注后半句的。例如：“七十二行——行行出状元”、“九里山前摆战场——四面楚歌”。

对前半句相同、后半句不同的歇后语，则分条列出。例如：“王羲之看鹅——渐渐消磨”、“王羲之看鹅——专心致志”。

对前半句相同、后半句虽然不同，但含意相同的歇后语，则不分条列出，就在释义下面写上“后句也说‘××××’”。例如：“‘三国的曹植——才高八斗’，后句也说‘才富八斗’、‘才倾八斗’、‘八斗之才’”。

对后半句相同、前半句不同的歇后语，在释义下面写上“前句又作‘××××’”。例如：“‘王羲之的真迹——一字千金’，前句又作‘王羲之的手迹’”。

也有少量后半句同样的歇后语，有两种不同的含意的，则分条列出。例如：“土地的女儿嫁玉帝——一步登天”，含意是“比喻一下子达到极高的境界或程度，也比喻地位一下子升得非常高”；“高俅当太尉——一步登天”，含意是“比喻小人得志，突然发迹”。

还有历史事件、古诗名句和古诗名句拆作歇后语的，也归在本书之中。例如：“玄武门之变——自相残杀”、“少小离家老大回——面目全非”、“东边日出西边雨——道是无情(晴)却有情(晴)”。

本书是一部融知识性、劝诫性、趣味性和实用性于一体的工具书，

可供大中小学老师作教学参考书,也可供大中小学学生写作文时参考。并可供文化、文艺工作者及机关企事业单位文秘人员使用。还可供民族、民俗、历史、文学、语言学等研究人员参考。对爱好民间文学的读者和图书馆、资料室等,也是值得一读和有收藏价值的图书。

本书是博采群书而成,是集体智慧的产物,本人不敢掠美,书后附列“本书引用和参考的主要书目”,谨向原辑录者、作者致意。

本书在出版过程中,得到奉贤区档案馆副研究馆员严永官和上海社会科学院出版社的指导和帮助,在此表示感谢。

由于编者水平有限,书中难免有错漏之处,敬请专家和广大读者批评指正。

王士均

2003年10月成稿

2008年12月第七次修改于

上海师范大学生命与环境科学学院奉贤校区寓所



## 目 录

|                    |       |
|--------------------|-------|
| 前言 .....           | 1     |
| 笔画索引 .....         | 1     |
| 正文 .....           | 1—489 |
| 本书引用和参考的主要书目 ..... | 490   |



## 笔画索引

|            |  |            |  |
|------------|--|------------|--|
| 一 画        |  | 门 ..... 21 |  |
| 一 ..... 1  |  | 广 ..... 22 |  |
| 二 画        |  | 亡 ..... 22 |  |
| [一]        |  | [一→]       |  |
| 二 ..... 2  |  | 卫 ..... 23 |  |
| 十 ..... 3  |  | 子 ..... 25 |  |
| 七 ..... 4  |  | 马 ..... 25 |  |
| 丁 ..... 6  |  | 女 ..... 29 |  |
| [丿]        |  | 小 ..... 31 |  |
| 八 ..... 7  |  | 四 画        |  |
| 人 ..... 8  |  | [一]        |  |
| 九 ..... 8  |  | 王 ..... 31 |  |
| 三 画        |  | 五 ..... 45 |  |
| [一]        |  | 开 ..... 46 |  |
| 三 ..... 9  |  | 天 ..... 47 |  |
| 于 ..... 16 |  | 云 ..... 48 |  |
| 土 ..... 17 |  | 元 ..... 48 |  |
| 大 ..... 18 |  | 韦 ..... 48 |  |
| 丈 ..... 18 |  | 木 ..... 49 |  |
| 万 ..... 19 |  | 太 ..... 50 |  |
| [丨]        |  | 比 ..... 51 |  |
| 山 ..... 19 |  | [丨]        |  |
| 上 ..... 19 |  | 少 ..... 51 |  |
| [丿]        |  | 中 ..... 51 |  |
| 千 ..... 19 |  | 见 ..... 52 |  |
| [丶]        |  | [丿]        |  |
| 义 ..... 21 |  | 牛 ..... 53 |  |



[ 2 ]
$$\left[ \rightarrow \right]$$
五 画
$$\left[ \begin{array}{c} \text{---} \end{array} \right]$$

|   |       |    |
|---|-------|----|
| 石 | ..... | 74 |
| 平 | ..... | 76 |
| 打 | ..... | 77 |
| 东 | ..... | 77 |

[17]

|   |       |    |
|---|-------|----|
| 北 | ..... | 79 |
| 卢 | ..... | 80 |
| 叶 | ..... | 80 |
| 叫 | ..... | 80 |
| 申 | ..... | 81 |
| 四 | ..... | 82 |
| 史 | ..... | 83 |
| 田 | ..... | 83 |

[ ]

|   |       |    |
|---|-------|----|
| 生 | ..... | 84 |
| 白 | ..... | 84 |
| 乐 | ..... | 87 |
| 包 | ..... | 88 |

[ ]

|   |    |
|---|----|
| 玄 | 89 |
| 冯 | 90 |
| 汉 | 91 |
| 半 | 93 |
| 宁 | 94 |
| 让 | 94 |

 $\longrightarrow$ 

|         |     |
|---------|-----|
| 司 ..... | 95  |
| 皮 ..... | 100 |
| 对 ..... | 101 |
| 出 ..... | 101 |
| 母 ..... | 102 |

## 六 画

## [一]

|   |     |
|---|-----|
| 共 | 102 |
| 西 | 102 |
| 考 | 105 |
| 老 | 105 |
| 百 | 107 |
| 死 | 108 |
| 夸 | 108 |
| 成 | 108 |
| 扬 | 109 |
| 过 | 109 |
| 匡 | 110 |

## [丨]

|   |     |
|---|-----|
| 此 | 110 |
| 刚 | 110 |
| 师 | 110 |
| 吕 | 111 |
| 吓 | 114 |
| 吃 | 115 |
| 光 | 115 |

## [丿]

|   |     |
|---|-----|
| 朱 | 116 |
| 乔 | 121 |
| 伍 | 122 |
| 杀 | 123 |
| 优 | 123 |
| 伊 | 124 |
| 仲 | 124 |
| 华 | 124 |
| 伏 | 125 |
| 后 | 125 |

|   |     |
|---|-----|
| 丢 | 126 |
|---|-----|

## [丶]

|   |     |
|---|-----|
| 刘 | 126 |
| 齐 | 145 |
| 安 | 149 |
| 庆 | 149 |
| 祁 | 150 |
| 闯 | 150 |
| 庄 | 151 |
| 米 | 152 |
| 灯 | 153 |
| 许 | 153 |
| 关 | 155 |
| 羊 | 158 |
| 州 | 158 |
| 江 | 159 |
| 汤 | 159 |

## [→]

|   |     |
|---|-----|
| 红 | 160 |
| 纣 | 162 |
| 买 | 162 |
| 阮 | 163 |
| 戏 | 163 |
| 孙 | 163 |
| 如 | 174 |
| 观 | 175 |

## 七 画

## [一]

|   |     |
|---|-----|
| 李 | 175 |
| 杨 | 188 |
| 严 | 195 |
| 苏 | 196 |

|   |     |
|---|-----|
| 花 | 201 |
| 芦 | 201 |
| 杜 | 202 |
| 贡 | 204 |
| 杞 | 205 |
| 来 | 205 |
| 扮 | 205 |
| 两 | 205 |
| 吾 | 206 |

## [丨]

|   |     |
|---|-----|
| 吴 | 206 |
| 时 | 211 |
| 听 | 212 |
| 财 | 212 |

## [丿]

|   |     |
|---|-----|
| 邹 | 212 |
| 秀 | 213 |
| 兵 | 213 |
| 身 | 214 |
| 邱 | 214 |
| 狄 | 214 |
| 近 | 214 |
| 饮 | 214 |
| 余 | 215 |
| 伯 | 215 |
| 佐 | 216 |
| 何 | 216 |
| 佛 | 216 |
| 谷 | 217 |

## [丶]

|   |     |
|---|-----|
| 宋 | 217 |
| 汪 | 223 |

|   |     |
|---|-----|
| 沈 | 223 |
| 况 | 223 |
| 快 | 224 |
| 沙 | 224 |
| 判 | 224 |

## [→]

|   |     |
|---|-----|
| 阿 | 224 |
| 陈 | 225 |
| 陆 | 229 |
| 努 | 231 |
| 妙 | 232 |
| 邵 | 232 |
| 灵 | 233 |
| 张 | 233 |

## 八 画

## [一]

|   |     |
|---|-----|
| 奉 | 250 |
| 武 | 251 |
| 范 | 256 |
| 苻 | 260 |
| 画 | 261 |
| 拔 | 261 |
| 招 | 261 |
| 欧 | 262 |
| 杯 | 262 |
| 苦 | 262 |
| 林 | 263 |
| 枚 | 266 |
| 卖 | 266 |

## [丨]

|   |     |
|---|-----|
| 图 | 267 |
| 国 | 267 |

|   |     |
|---|-----|
| 易 | 267 |
| 卓 | 268 |
| 罗 | 268 |
| 明 | 269 |
| 贤 | 269 |
| 叔 | 269 |

[丿]

|   |     |
|---|-----|
| 周 | 270 |
| 岳 | 277 |
| 鱼 | 278 |
| 季 | 279 |
| 金 | 280 |
| 钗 | 280 |
| 版 | 280 |
| 狙 | 281 |
| 狗 | 281 |

[丶]

|   |     |
|---|-----|
| 庞 | 281 |
| 庙 | 283 |
| 刻 | 283 |
| 房 | 284 |
| 盲 | 284 |
| 夜 | 284 |
| 郎 | 285 |
| 京 | 285 |
| 宓 | 285 |
| 宝 | 285 |
| 郑 | 286 |
| 法 | 290 |
| 宜 | 291 |

[→]

|   |     |
|---|-----|
| 孟 | 291 |
|---|-----|

|   |     |
|---|-----|
| 织 | 296 |
| 姐 | 296 |
| 弦 | 296 |
| 屈 | 297 |

九 画

[一]

|   |     |
|---|-----|
| 邴 | 298 |
| 春 | 299 |
| 相 | 300 |
| 牵 | 300 |
| 赵 | 300 |
| 荆 | 309 |
| 草 | 310 |
| 药 | 311 |
| 荀 | 311 |
| 柳 | 312 |
| 胡 | 314 |
| 南 | 315 |
| 项 | 316 |
| 城 | 318 |
| 郝 | 319 |

[丨]

|   |     |
|---|-----|
| 背 | 319 |
| 临 | 319 |
| 昭 | 320 |
| 贵 | 321 |
| 蚂 | 321 |
| 哪 | 321 |

[丿]

|   |     |
|---|-----|
| 皇 | 322 |
| 俞 | 322 |
| 侯 | 323 |

狮 ..... 323  
 剑 ..... 324  
 顺 ..... 324  
 钟 ..... 324  
 香 ..... 325  
 看 ..... 326  
 帮 ..... 326

## [、]

扁 ..... 326  
 祝 ..... 326  
 施 ..... 327  
 宣 ..... 327  
 神 ..... 328  
 闻 ..... 329  
 祖 ..... 329  
 官 ..... 330  
 奕 ..... 331  
 养 ..... 331  
 美 ..... 331  
 姜 ..... 332  
 洪 ..... 335  
 洛 ..... 336  
 洞 ..... 336

## [→]

骆 ..... 337  
 贺 ..... 337

## 十 画

## [一]

秦 ..... 338  
 班 ..... 345  
 晋 ..... 346

夏 ..... 348  
 贾 ..... 349  
 桥 ..... 354  
 袁 ..... 354  
 顾 ..... 354  
 莺 ..... 355  
 捂 ..... 355  
 捕 ..... 356

## [丨]

晏 ..... 356  
 晁 ..... 358  
 柴 ..... 358  
 哼 ..... 358

## [丿]

借 ..... 358  
 倒 ..... 358  
 殷 ..... 359  
 钱 ..... 359  
 铁 ..... 360  
 徐 ..... 360  
 息 ..... 363  
 颂 ..... 363  
 爱 ..... 363  
 翁 ..... 364  
 桀 ..... 364  
 狸 ..... 364

## [、]

诸 ..... 365  
 唐 ..... 373  
 高 ..... 379  
 郭 ..... 381

站 ..... 383  
 祥 ..... 383  
 座 ..... 383  
 宰 ..... 384  
 海 ..... 384

## [一]

姬 ..... 385  
 陶 ..... 386  
 桑 ..... 388  
 通 ..... 388

## 十一画

## [一]

曹 ..... 389  
 黄 ..... 396  
 萧 ..... 399  
 雪 ..... 401  
 掩 ..... 402  
 乾 ..... 402  
 聊 ..... 405  
 梅 ..... 405  
 戚 ..... 406  
 龚 ..... 406

## [丨]

崇 ..... 407  
 常 ..... 407  
 崔 ..... 408  
 野 ..... 409  
 唱 ..... 409  
 眼 ..... 409

## [丿]

盘 ..... 410  
 船 ..... 410

第 ..... 411  
 做 ..... 411  
 偷 ..... 411  
 得 ..... 411  
 猫 ..... 411  
 祭 ..... 412  
 猪 ..... 412

## [、]

寇 ..... 414  
 康 ..... 415  
 商 ..... 417  
 扈 ..... 419  
 谐 ..... 419  
 望 ..... 419  
 盖 ..... 420  
 梁 ..... 420  
 淮 ..... 422  
 淳 ..... 423  
 阎 ..... 423

## [一]

隋 ..... 424  
 婕 ..... 425  
 屠 ..... 425  
 骑 ..... 426

## 十二画

## [一]

董 ..... 426  
 蒋 ..... 427  
 琵 ..... 428  
 惠 ..... 428  
 彭 ..... 429

韩 ..... 429

[ 丨 ]

凿 ..... 435

紫 ..... 435

晴 ..... 435

景 ..... 436

黑 ..... 436

[ 丿 ]

鲁 ..... 436

智 ..... 439

舜 ..... 440

铸 ..... 441

程 ..... 441

嵇 ..... 442

焦 ..... 443

貂 ..... 443

释 ..... 443

瑚 ..... 444

猴 ..... 444

[ 丶 ]

曾 ..... 445

寒 ..... 446

谢 ..... 446

[ 一 ]

颖 ..... 448

缙 ..... 449

属 ..... 449

十三画

[ 一 ]

楚 ..... 449

蒲 ..... 454

慈 ..... 454

颐 ..... 456

蒙 ..... 456

雷 ..... 457

[ 丨 ]

虞 ..... 457

愚 ..... 457

蜀 ..... 458

鉴 ..... 458

歇 ..... 459

嵩 ..... 459

[ 丿 ]

鲍 ..... 459

鲍 ..... 460

解 ..... 460

锥 ..... 461

[ 丶 ]

廉 ..... 461

雍 ..... 462

福 ..... 462

塞 ..... 463

窠 ..... 463

十四画

[ 一 ]

蔺 ..... 464

蔡 ..... 465

慕 ..... 466

轶 ..... 467

[ 丨 ]

裴 ..... 467

蚰 ..... 467

[丿]

管 ..... 468

[丶]

阕 ..... 469

精 ..... 469

蜜 ..... 469

[→]

螺 ..... 469

嫦 ..... 470

疑 ..... 470

翠 ..... 471

#### 十五画

[一]

樊 ..... 471

[丨]

墨 ..... 472

[丿]

滕 ..... 472

[丶]

颜 ..... 473

潘 ..... 473

[→]

愁 ..... 475

#### 十六画

[一]

燕 ..... 475

薛 ..... 475

霍 ..... 477

[丨]

黔 ..... 478

[丿]

歙 ..... 479

穆 ..... 479

[丶]

羸 ..... 480

癯 ..... 480

[→]

豫 ..... 480

#### 十七画

[一]

檀 ..... 481

戴 ..... 481

[丨]

螳 ..... 482

螺 ..... 482

[丿]

魏 ..... 483

黛 ..... 487

[→]

鹞 ..... 487

#### 十八画以上

[一]

遽 ..... 488

霸 ..... 488

[丨]

蟠 ..... 489



## — 画

### 一叶障目——财迷心窍

比喻一心想要发财。

〔一叶障目〕《笑林》载，楚代有个穷书生，一心想发财。他在读《淮南子》一书时，得知螳螂捕蝉时隐蔽的树叶，可以隐身，于是就去寻找这种树叶。他将地上的树叶带回家中，然后一片片地拿叶子遮住自己的眼睛，问妻子能否看见。后来问得妻子生了气，说了声看不见了。这人信以为真，于是拿了这片树叶子到市上去遮住自己的眼睛，偷人家的东西，结果当场被人捉住。

### 一条船上的乘客——风雨同舟

比喻共历艰险，同渡难关。

〔一条船上的乘客〕《孙子·九地》载，春秋时，吴越之间经常发生战争，吴人和越人之间仇恨很深。可是一旦他们坐在同一条船上，又遇到了暴风雨，那么，他们也会像左右手那样互相帮助，共渡难关。

### 一部二十四史——从何说起

形容由于数量多，内容丰富，不知从什么地方开始讲起。也比喻心绪繁杂，茫无头绪。

〔二十四史〕清乾隆时，《明史》定稿，诏刊二十二史，又诏增《旧唐书》，并从《永乐大典》等书中辑出薛居正《旧五代史》，合称二十四史。

### 一百零八将之后——无名小卒

指没有名气，起不了什么作用的渺小人物。多用于蔑视称呼。

〔一百零八将〕指《水浒传》水泊梁山以及时雨宋江为首的一百零八位好汉。

### 一枪扎死杨六郎——没戏唱了

比喻难以继续进行或没有其他办法可想了。

〔杨六郎〕即杨延昭(958—1014)北宋名将。本名延朗。麟州(今陕西神木北)人。北宋名将杨继业(杨业)的儿子。年轻时随父出征，常为先锋。后在河北任缘边都检使、高阳关副都部署等职。守边二十余年，号令严明，屡破契丹军，契丹畏惧，呼为杨六郎。